

प्रेषक,

डॉ० उमाकांत पंवार,
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा मे,

कमाण्डेण्ट जनरल,
होमगार्ड्स,
उत्तराखण्ड देहरादून।

गृह अनुभाग-5

देहरादून : दिनांक 26 दिसम्बर, 2016

विषय:-राज्य में मृतक होमगार्ड्स/अवैतनिक अधिकारियों के स्थान पर उनके आश्रितों को होमगार्ड्स स्वयंसेवकों के रूप में सेवायोजित किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

कृपया उपर्युक्त विषयक, अपने पत्र संख्या-सीजी-34/होगा/2011/809, दिनांक-03.

08.2016 का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें।

2- इस सम्बन्ध में सम्यक् विचारोपरान्त मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि, शासन द्वारा होमगार्ड्स स्वयंसेवक/अवैतनिक होमगार्ड्स पदाधिकारी की सेवाकाल में मृत्यु अथवा स्थायी रूप से अपंग होने पर उसके पात्र आश्रित को होमगार्ड्स स्वयंसेवक/अवैतनिक होमगार्ड्स पदाधिकारी के पद पर सेवायोजित किये जाने का निर्णय लिया गया है। होमगार्ड्स स्वयंसेवक/अवैतनिक होमगार्ड्स पदाधिकारी की मृत्यु/स्थायी रूप से अपंग होने पर उसके पात्र आश्रित के सेवायोजन से सम्बन्धित शर्तें निम्नवत् हैं:-

1. मृत होमगार्ड्स स्वयंसेवक/अवैतनिक होमगार्ड्स पदाधिकारी का तात्पर्य ऐसे होमगार्ड्स/होमगार्ड्स पदाधिकारियों से है, जिसकी मृत्यु सेवा में रहते हुये हो जाय।
2. स्थायी रूप से अपंग होने का तात्पर्य यह है कि, दो अंगों अथवा दोनों आँखों अथवा एक अंग और एक आँख की हानि अथवा पक्षाघात, जिससे होमगार्ड्स स्वयंसेवक/अवैतनिक होमगार्ड्स पदाधिकारी अपनी सेवा देने में सक्षम न रह जाय।
3. कुटुम्ब के निम्नलिखित व्यक्ति मृतक/स्थायी रूप से अपंग होमगार्ड्स स्वयंसेवक के आश्रित के अन्तर्गत सेवायोजित किये जाने हेतु पात्र होंगे-

(क) पत्नी या पति,

(ख) पुत्र/दत्तक पुत्र,

(ग) अविवाहित पुत्रियां, अविवाहित दत्तक पुत्रियां, विधवा पुत्रियां और विधवा पुत्र वधुएं,
(घ) मृत होमगार्ड्स स्वयंसेवक/अवैतनिक होमगार्ड्स पदाधिकारी पर आश्रित अविवाहित
भाई, अविवाहित बहन और विधवा माता, यदि मृत स्वयंसेवक/अवैतनिक पदाधिकारी
अविवाहित था।

परन्तु यदि मृत/स्थायी रूप से अपंग होमगार्ड्स स्वयंसेवक/अवैतनिक
होमगार्ड्स पदाधिकारी के उपरिउल्लिखित सम्बन्धियों में से किसी से सम्बन्धित कोई व्यक्ति
उपलब्ध नहीं है या वह शारीरिक और मानसिक रूप से अनुपयुक्त पाया जाय और इस
प्रकार होमगार्ड्स स्वयंसेवक/अवैतनिक होमगार्ड्स पदाधिकारी की सेवा में नियोजन के लिये
अपात्र हो तो केवल ऐसी स्थिति में शब्द 'कुटुम्ब' के अन्तर्गत मृत अथवा स्थायी रूप से अपंग
होमगार्ड्स स्वयंसेवक/अवैतनिक होमगार्ड्स पदाधिकारी पर आश्रित पौत्र और अविवाहित
पौत्रियां भी सम्मिलित होगी।

4. होमगार्ड्स एवं अवैतनिक होमगार्ड्स पदाधिकारी की सेवावधि में मृत्यु/स्थायी
रूप से अपंग होने पर उसके पात्र आश्रित के चयन में वही प्रक्रिया/मानदण्ड अपनाये जायेंगे
जो सामान्य तौर पर होमगार्ड्स स्वयंसेवक/अवैतनिक पदाधिकारी की भर्ती के समय अपनाये
जाते हैं अर्थात् उत्तर प्रदेश होमगार्ड मुख्यालय के पत्र संख्या-693/स्था0/एक-411/1992
(स्थायी आदेश समादेष्टा) 15/1992, पत्रांक-3146/स्था0/एक/141/1973(3) दिनांक-16.
10.1992, पत्र संख्या-3379/स्था0/एक-141/73, दिनांक-14.09.1994 एवं पत्रांक संख्या-
3146/स्था0/एक-141/1973(3), दिनांक-29.06.1996 के क्रम में शासनादेश संख्या-1447
/गृह/होमगार्ड्स/2001, दिनांक-22.12.2001 में निर्धारित की गयी प्रक्रिया/मानदण्डों के
अनुसार पात्र आश्रित की भर्ती की जायेगी, यदि होमगार्ड्स स्वयंसेवक/अवैतनिक होमगार्ड्स
पदाधिकारी की भर्ती से सम्बन्धित नियमों /शासनादेशों में भविष्य में कोई परिवर्तन होता है तो
तदनुसार परिवर्तन/संशोधन भी पात्र आश्रितों की भर्ती में लागू होंगे। मात्र यह छूट दी
जायेगी कि अनुकम्पा के आधार पर होमगार्ड्स/अवैतनिक पदाधिकारी के पद पर चयन/
सेवायोजन के लिये अलग से विज्ञापन निकाले जाने की आवश्यकता नहीं होगी। उक्त
सेवायोजन के फलस्वरूप होमगार्ड्स की कुल स्वीकृत संख्या में वृद्धि नहीं होगी और स्वीकृत
संख्या के अन्तर्गत ही पात्र आश्रित को सेवायोजित किया जायेगा।

5. मृतक आश्रित के तौर पर भर्ती होने के लिये यह आवश्यक है कि सम्बन्धित होमगार्ड्स स्वयंसेवक/अवैतनिक होमगार्ड्स पदाधिकारी की मृत्यु/स्थायी रूप से अपंग होने की तिथि से 05 वर्ष के भीतर आवेदन कर दिया गया हो। अपरिहार्य परिस्थितियों में आवेदन करने को 05 वर्ष की अधिकतम समय सीमा में शिथिलीकरण शासन की अनुमति से किया जा सकता है।

3- उपरोक्त आदेश तात्कालिक प्रभाव से लागू माने जायेंगे।

✓

भवदीय,

(डॉ० उमाकांत पंवार)
प्रमुख सचिव।

संख्या:-1177 /XX(5)/16-15(हो0गा0)/2011, तददिनांकित।

प्रतिलिपि:-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
2. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, माजरा, देहरादून।
3. महालेखाकार, लेखापरीक्षक (आडिट), उत्तराखण्ड, वैभव पैलेस, इन्द्रानगर, देहरादून।
4. वित्त (व्यय नियन्त्रण) अनुभाग-5, उत्तराखण्ड शासन।
5. निदेशक, वित्तीय सेवायें, लेखा एवं हकदारी, लक्ष्मी रोड़, देहरादून।
6. समस्त वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी।
7. समस्त वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक/पुलिस अधीक्षक, उत्तराखण्ड।
8. एन0आई0सी0 सचिवालय परिसर।
9. 5-गार्ड फाईल।

✓

भवदीय,
(धर्मेन्द्र सिंह)
अपर सचिव।